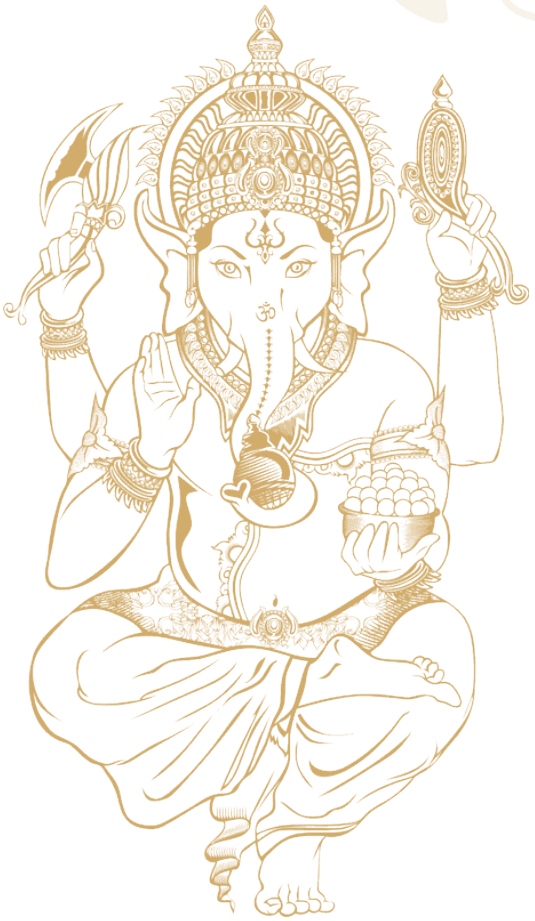

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121473006

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
6-07/01/1998	जन्म तिथि	21/06/2005
मंगल-बुधवार	दिन	मंगलवार
घंटे 01:31:00	जन्म समय	19:30:00 घंटे
घटी 44:54:28	जन्म समय(घटी)	35:21:03 घटी
India	देश	India
Udhampur	स्थान	Udhampur
32:56:00 उत्तर	अक्षांश	32:56:00 उत्तर
75:08:00 पूर्व	रेखांश	75:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:28	स्थानिक संस्कार	-00:29:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:33:12	सूर्योदय	05:21:34
17:38:17	सूर्यास्त	19:40:51
23:49:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:55

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 2वर्ष 5मा 27दि	02:54:49	तुला	लग्न	धनु	04:52:02	बुध 2वर्ष 5मा 13दि
सूर्य	22:28:34	धनु	सूर्य	मिथु	06:21:20	शुक्र
04/07/2020	08:35:19	मेष	चंद्र	वृश्चि	28:04:31	04/12/2014
05/07/2026	21:31:59	मक	मंगल	मीन	12:36:19	04/12/2034
सूर्य 22/10/2020	29:28:31	वृश्चि	बुध	मिथु	25:39:46	शुक्र 05/04/2018
चन्द्र 23/04/2021	29:39:18	मक	गुरु	कन्या	15:23:34	सूर्य 05/04/2019
मंगल 28/08/2021	07:39:10	मक व	शुक्र	मिथु	27:58:03	चन्द्र 04/12/2020
राहु 23/07/2022	20:07:25	मीन	शनि	कर्क	02:56:19	मंगल 03/02/2022
गुरु 11/05/2023	18:25:14	सिंह व	राहु व	मीन	26:16:02	राहु 03/02/2025
शनि 22/04/2024	18:25:14	कुंभ व	केतु व	कन्या	26:16:02	गुरु 05/10/2027
बुध 27/02/2025	13:36:37	मक	हर्ष व	कुंभ	16:48:55	शनि 04/12/2030
केतु 05/07/2025	05:19:47	मक	नेप व	मक	23:23:52	बुध 04/10/2033
शुक्र 05/07/2026	13:07:49	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	29:03:04	केतु 04/12/2034

लग्न-चलित

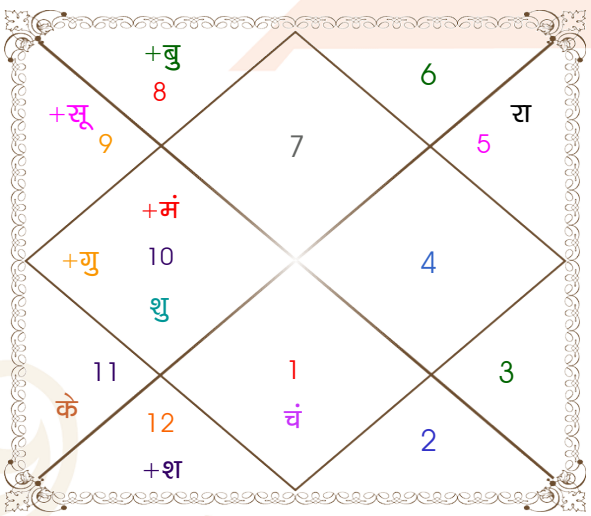

लग्न-चलित

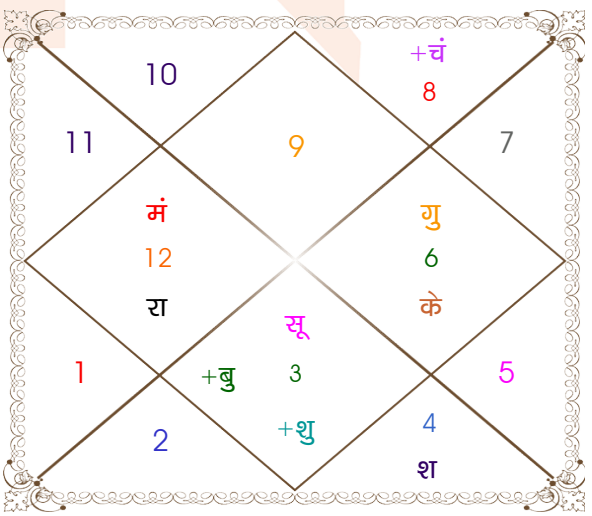

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग सिंह है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।